लोक सभा अध्यक्ष बेलग्रेड, सर्बिया में आयोजित अंतर-संसदीय संघ की 141वीं बैठक में भारतीय संसदीय शिष्टमंडल का नेतृत्व करेंगे

नई दिल्ली, 11 अक्तूबर 2019: लोक सभा अध्यक्ष के नेतृत्व में एक भारतीय शिष्टमंडल 13 से 17 अक्तूबर, 2019 तक बेलग्रेड, सर्बिया में आयोजित अंतर-संसदीय संघ की 141वीं बैठक में भाग लेगा। शिष्टमंडल में डॉ.शशि थरूर, संसद सदस्य; श्रीमती कनिमोझी करूणानिधि, संसद सदस्य; श्रीमती वानसुक साइम, संसद सदस्य; श्री जुगल किशोर शर्मा, संसद सदस्य; डॉ. भारतीबेन धीरूभाई श्याल, संसद सदस्य; श्रीमती शोभा कारांदलाजे, संसद सदस्य; श्री राम कुमार वर्मा, संसद सदस्य; श्री सस्मित पात्रा, संसद सदस्य; श्रीमती स्नेहलता श्रीवास्तव, महासचिव, लोक सभा; श्री देश दीपक वर्मा, महासचिव, राज्य सभा और शिष्टमंडल के सचिव श्री पी.सी.कौल, संयुक्त सचिव, लोक सभा शामिल हैं। यह शिष्टमंडल बैठक में भाग लेने के लिए 12 अक्तूबर, 2019 को रवाना होगा।

बैठक के दौरान, माननीय लोक सभा अध्यक्ष "अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का सुदृढ़ीकरण: संसदों की भूमिका और तंत्र तथा क्षेत्रीय सहयोग का योगदान" संबंधी मुख्य विषय पर 179 सदस्य देशों से आए पीठासीन अधिकारियों और सांसदों की प्रतिष्ठित सभा को संबोधित करेंगे। सामान्य चर्चा के समापन के पश्चात, बैठक एक घोषणा अंगीकृत करेगी। माननीय लोक सभा अध्यक्ष बैठक के दौरान आयोजित किए जाने वाले शासन संबंधी अध्यक्ष के संवाद के दौरान विकास और अर्थव्यवस्था विषय पर इस प्रतिष्ठित सभा को संबोधित करेंगे।

बैठक के दौरान, भारतीय शिष्टमंडल के सदस्य अंतर-संसदीय संघ की स्थायी समितियों, शासी परिषद, महिला सांसद मंच, युवा सांसद मंच की विभिन्न बैठकों और महत्वपूर्ण विषयों पर पैनल चर्चाओं में भाग लेंगे। शिष्टमंडल के सदस्य इस अवसर पर आयोजित ब्रिक्स संबंधी संसदीय मंच की बैठकों और एशियाई संसदीय सभा (एपीए) की समन्वय बैठक में भी भाग लेंगे। लोक सभा और राज्य सभा के महासचिवगण संसदों के महासचिवों के संघ (एएसजीपी) की बैठकों में भाग लेंगे।

माननीय लोक सभा अध्यक्ष आपसी हित के मामलों और बढ़ते हुए संसदीय सहयोग के मामलों पर चर्चा करते समय अन्य संसदों से पधारे अपने समकक्षों के साथ अनेक द्विपक्षीय बैठकों में भी हिस्सा लेंगे।

अंतर-संसदीय संघ सम्प्रभु राष्ट्रों की संसदों का एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है जिसका मुख्यालय जिनेवा, स्विट्जरलैंड में स्थित है। यह संगठन 1889 से विश्व स्तर पर होने वाली संसदीय परिचर्चाओं के केन्द्र में रहा है। अंतर-संसदीय संघ लोगों के बीच शांति और सहयोग तथा प्रातिनिधिक संस्थाओं को सुदृढ़ बनाने हेतु कार्य करता है।